सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 120 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 3 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

चाहे जिन्दगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

-स्टीफन हॉकिंग

इंतजार करिये, नतीजे एग्जिट पोल के... 7 | 'हाथ' को इस बार नॉर्थ से साथ... 3 | एग्जिट पोल का आधार ईवीएम... 2

कल खुलेगा ईवीएम का पिटारा कांग्रेस या भाजपा, पता चलेगा किसका चमकेगा सितारा

» एग्जिट पोल पर रार, विपक्ष ने नकारा

» विपक्ष बोला- ईमानदारी से हुई मतगणना तो बनेगी इंडिया गठबंधन की सरकार

» भाजपा बोली- एग्जिट पोल से ज्यादा मिलेंगी सीटें तीसरी बार मोदी बनेंगे प्रधानमंत्री

» यूपी में परिणाम तय करेगा कांग्रेस व सपा का भविष्य

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कल 4 जून को लोकतंत्र के सबसे बड़े परीक्षा के परिणाम आएंगे। इसी के साथ लगभग दो महीने से पूरे देश में चले चुनावी प्रक्रिया का समापन भी हो जाएगा। मंगलवार को जब ईवीएम का पिटारा खुलेगा तब पता चलेगा भाजपा व मोदी सरकार की हैट्रिक बनती है या इंडिया गठबंधन को सत्ता का ताज मिलता है। हालांकि इससे पहले कई एग्जिट पोलों में भाजपा-एनडीए गठबंधन की सत्ता में वापसी दिखाई जा रही है। पर इन पोलों को विपक्ष ने पूरी तरह से नकार दिया है। कांग्रेस ने कहा है कि उसका गठबंधन 295 सीटें पा रहा है और उसी की सरकार बनेगी। कांग्रेस के साथ ही आप, सपा, टीमएसी, व अन्य सहयोगियों ने भी एग्जिट पोल को नकारते हुए कहा है कि अगर ईवीएम में बीजेपी ने बेइमानी नहीं कराई तो इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। बता दें कि चुनावों की प्रक्रिया 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान से शुरू होते हुए सात द्वार को पार करते हुए 1 जून को खत्म हुई। इस पूरे चरण में देश के 543 लोक सभा सीटों के लिए चुनाव हुए। जिसमें करोड़ों लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया।

लोकसभा चुनाव परिणाम कांग्रेस की नई प्रयोगशाला का भी भविष्य तय करेगा। क्योंकि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में दो अहम प्रयोग किए। एक तरफ अगड़ों की परवाह किए बिना पिछड़ा और दलित कार्ड खेला, तो दूसरी तरफ अयोध्या में राममंदिर नहीं जाकर अल्पसंख्यकों को भी भरोसा दिलाया। खास बात यह रही कि यूपी में सिर्फ 17 सीटों पर लड़ते हुए राहुल गांधी को विपक्षी नेता के तौर पर स्थापित करने का पूरा प्रयास किया गया। अब देखना यह होगा कि ये प्रयोग कितने सफल हुए हैं। लोकसभा चुनाव का शंखनाद होने से ठीक पहले कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खरगे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। इसके जरिये पूरे देश में दलितों को जोड़ने का संदेश दिया गया। फिर राहुल गांधी ने न्याय यात्रा निकाली और जातीय जनगणना का मुद्दा जोरशोर से उठाया। उत्तर प्रदेश में अध्यक्ष भले अजय राय बनाए गए, लेकिन उनकी कार्यकारिणी में पिछड़ों और दलितों को भरपूर भागीदारी देने की कोशिश हुई। प्रदेश में संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ सम्मेलन, दलित संवाद जैसे कार्यक्रमों के जरिये जातीय जनगणना कराने की पुरजोर वकालत की गई। न्याय यात्रा के दौरान प्रदेश में राहुल गांधी पूरी तरह से जातीय जनगणना और पिछड़ों, दलितों पर ही केंद्रित रहे। चुनाव के दौरान भी जातीय जनगणना के बहाने उन्होंने न सिर्फ भागीदारी का मुद्दा उठाया, बल्कि मीडिया पर भी हमलावर रहे। यह भी एक तरह की सियासी रणनीति का हिस्सा था, तो पिछड़ों, दलितों को संदेश देने का प्रयास भी।

परिणाम एग्जिट पोल से बेहतर होंगे : भाजपा

मतदान के ठीक बाद आए एग्जिट पोल में पंजाब में भाजपा को बढ़त बताई गई। कांग्रेस और आप ने इन एग्जिट पोल को सिरे से नकार दिया है। वहीं भाजपा का कहना है कि पार्टी एग्जिट पोल से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि एग्जिट पोल हर जगह ही भाजपा की जीत दिखाता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि एग्जिट पोल के दावों के उलट कांग्रेस ने राज्यों में अपनी सरकार बनाई है। वड़िंग ने कहा कि ये भाजपा को भी पंजाब में 2 से 4 सीटें लेने का दावा कर रहा है, जबकि सबको पता है कि ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि 4 जून को कांग्रेस केंद्र के साथ ही प्रदेश में भी बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रवक्ता और आनंदपुर साहिब से प्रत्याशी मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि एग्जिट पोल भरोसे लायक नहीं है। 2022 विधानसभा चुनाव में भी हमें कोई 90 से ऊपर सीटें नहीं दे रहा था, लेकिन बावजूद इसके सभी ने रिजल्ट देखा। आप पंजाब में सभी 13 सीटें जीतेगी। इसी तरह देश में भी इस बार इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। देश में महंगाई व बेरोजगारी इसका प्रमुख कारण है तो फिर भाजपा चुनाव में कैसे जीत सकती है। पंजाब भाजपा उपाध्यक्ष व आनंदपुर साहिब से पार्टी प्रत्याशी सुभाष शर्मा ने कहा कि एग्जिट पोल में जो दिखाया जा रहा है, भाजपा उससे भी बेहतर प्रदर्शन पंजाब में करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स उनको मिला है, इसलिए वह प्रदेश में इस बार अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेंगे।

देश के चुनाव ऐतिहासिक हमने महिलाओं की गरिमा का सम्मान रखा : राजीव कुमार

दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हमने 642 मिलियन मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है। भारत ने लोकसभा चुनाव में 31.2 करोड़ महिलाओं समेत 64.2 करोड़ मतदाताओं की भागीदारी के साथ वैश्विक रिकॉर्ड बनाया। सीईसी राजीव कुमार ने सोशल मीडिया पर चुनाव आयुक्तों को लापता सज्जन कहे जाने वाले मीम्स पर कहा कि हम हमेशा से यहां थे, कभी गायब नहीं हुए। दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रि या में 68,000 से अधिक निगरानी दल, 1.5 करोड़ पोलिंग एवं सुरक्षाकर्मी शामिल थे। 2024 के लोकसभा चुनाव कराने में करीब चार लाख वाहन, 135 विशेष ट्रेनें और 1,692 हवाई उड़ानों का इस्तेमाल किया गया।2024 के आम चुनावों में केवल 39 पुनर्मतदान हुए, जबकि 2019 में 540 पुनर्मतदान हुए थे। जम्मू-कश्मीर में चार दशकों में सबसे अधिक मतदान हुआ, कुल मिलाकर 58.58 प्रतिशत और घाटी में 51.05 प्रतिशत मतदान हुआ।

एग्जिट पोल का हाल 2004 की तरह हो इसी में है जनहित : गहलोत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) के अनुमानों पर कटाक्ष करते कहा कि जनहित इसी में कि एग्जिट पोल का हाल 2004 की तरह हो। एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह धमकाने वाली का इस्तेमाल परसों की पब्लिक रैली में किया था उसी का असर आज एग्जिट पोल्स में दिख रहा है और चैनल उसी डर में भाजपा को एकतरफा जीतता हुआ दिखा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, जनहित इसी में है कि एग्जिट पोल्स का हाल 2004 की तरह हो। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को दोहराया कि एग्जिट पोल गलत साबित होंगे, जैसा कि पिछले साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान हुआ था।

देश नकारात्मक ताकतों से आजाद होने जा रहा है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव परिणाम घोषित होने से एक दिन पहले मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया कि 4 जून को देश नकारात्मक शक्तियों से आजाद होने जा रहा है। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल पर बयान दिया। मुद्दों के सहारे मोदी सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के झूठे राष्ट्रवाद ने देश को नुकसान पहुंचाया। सामाजिक रूप से देश का सौहार्द बिगाड़ा। भाईचारा खत्म किया। जाति के खिलाफ जाति और संप्रदाय के खिलाफ संप्रदायों को लड़वाया। संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण को साजिशन खत्म करने की कोशिश की गई। बेरोजगारों से छल किया। पेपर लीक कराए। देश के लिए आगे बढ़कर लड़ने वालों के लिए अपने मंत्रियों से जानबूझकर अपशब्द कहलवाए। मणिपुर, हाथरस, महिला पहलवान, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार और सबसे खराब व्यवहार किए जाने का रिकॉर्ड बनाया।

एग्जिट पोल का आधार ईवीएम नहीं डीएम हैं: अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों समेत देश की 543 लोकसभा सीटों के लिए वोटिंग की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। दो दिन बाद यानी 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम जारी किया जाएगा। इससे पहले सातवें चरण की वोटिंग खत्म होने के बाद एक जून शनिवार की शाम 6 बजे के बाद विभिन्न मंडिया चैनलों पर सर्वे एजेंसियों की ओर से किए गए एग्जिट पोल के आंकड़े पेश किए जाने लगे। एग्जिट पोल के आंकड़ों ने किसी को खुशी और किसी को गम का अहसास कराया है। तमाम मीडिया संस्थानों की ओर से कराए गए सर्वे में एनडीए एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाती दिख रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी बड़ी ताकत के साथ तीसरी बार सत्ता में वापसी करते दिख रहे हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एग्जिट पोल के आंकड़ों पर सवाल अलग ही अंदाज में खड़ा किया है। उनके निशाने पर जिलों के डीएम आ गए हैं। वह प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि एग्जिट पोल का आधार ईवीएम नहीं डीएम है। प्रशासन याद रखे जनशक्ति से बड़ा बल और कोई नहीं होता। एक लांग पोस्ट में अखिलेश यादव ने एग्जिट पोल की क्रोनोलॉजी भी समझाई है। अखिलेश ने कहा कि विपक्ष ने पहले ही घोषित कर दिया था कि भाजपाई मीडिया भाजपा को 300 पार दिखाएगा, जिससे घपला करने की गुंजाइश बन सके। उन्होंने आरोप लगाया कि आज का ये भाजपाई एग्जिट पोल कई महीने पहले ही तैयार कर लिया गया था, बस चैनलों ने चलाया आज है। इस एग्जिट पोल के माध्यम से जनमत को धोखा दिया जा रहा है। अखिलेश ने क्रोनोलॉजी को समझाते हुए कहा कि इस एग्जिट पोल को आधार बनाकर भाजपाई सोमवार को खुलने वाले शेयर बाजार से जाते-जाते लाभ उठाना चाहते हैं। अगर ये एग्जिट पोल झूठे न होते और सच में भाजपा हार न रही होती तो भाजपावाले अपनों पर ही इल्जाम न लगाते।

उन्होंने कहा कि भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे सारी सच्चाई बयान कर रहे हैं। भाजपाई ये समझ रहे हैं कि पूरे देश का परिणाम चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव की तरह बदला नहीं जा सकता है, क्योंकि इस बार विपक्ष पूरी तरह से सजग है। जनाक्रोश भी चरम पर है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा से मिले हुए भ्रष्ट अधिकारी भी सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता देखकर धांधली करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। साथ ही, वह जनता के क्रोध का भी शिकार नहीं होना चाहते हैं। सपा अध्यक्ष ने गठबंधन के कार्यकर्ताओं को भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और प्रत्याशी ईवीएम की निगरानी में एक प्रतिशत भी चूक न करें।

इंडिया गठबंधन जीत रहा है। इसीलिए चौकन्ने रहकर मतगणना कराएं और जीत का प्रमाण पत्र लेकर ही विजय का उत्सव मनाएं।

पहले भी साधा था निशाना

अखिलेश यादव ने यूपी चुनाव 2022 के दौरान भी अधिकारियों पर निशाना साधा था। उन्होंने यूपी में भाजपा की लगातार दूसरी जीत में अधिकारियों की बड़ी भूमिका का जिक्र किया था। साथ ही, वोटर लिस्ट से नाम काटने और वोट न डालने जाने देने के आरोप भी लगाए गए थे। एक बार फिर अखिलेश लोकसभा एग्जिट पोल के आंकड़ों के जरिए ही प्रशासनिक अधिकारियों और खासकर जिलों के डीएम को निशाने पर लेते हुए दिख रहे हैं। दरअसल, तमाम एग्जिट पोल यूपी ही नहीं देश में भी भाजपा को बड़ी बढ़त दिलाते दिख रहे हैं। यूपी में भी भाजपा गठबंधन 80 में से 62 से 72 और सपा गठबंधन 8 से 18 सीटों पर जीत दर्ज करती दिख रही है।

कहीं पर भी नहीं होने देंगे बेईमानी : शिवपाल

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल के जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा रहा है। पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के आवास पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की। एग्जिट पोल पर उनसे सवाल किया तो उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल्स से मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे हैं। यह नहीं चल पाएगा। हमारा कार्यकर्ता मजबूती के साथ अपनी ड्यूटी पर रहेगा। कहीं पर भी कोई बेईमानी नहीं होने दी जाएगी। एक-एक वोट की गिनती होगी।सपा नेता ने कहा कि किसी को दबाव में आने की जरूरत नहीं है। प्रशासन भी ठीक से काम करेगा। उन्होंने दावा किया कि इंडी गठबंधन और सपा मिलकर सरकार बनाएगी। कितनी सीटें मिलेंगी? इस पर उन्होंने कहा कि जितनी भी सीट होंगी चार जून को आ जाएंगी।

इंडिया गठबंधन को मिलेगा पूर्ण बहुमत : पाल

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि एग्जिट पोल भी भाजपा नेताओं की तरह देश की जनता को गुमराह कर रहा है। एग्जिट पोल लोगों को निराश करने का प्रयास कर रहा है। इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता वह चाहे कांग्रेस के हों या सपा के या दूसरी पार्टी के सभी लोग पूरी मुस्तैदी के साथ मतगणना कराएंगे और जीत हासिल करेंगे। सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में 70 से अधिक सीटें जीतने जा रही है। फूलपुर, इलाहाबाद के अलावा भदोही और कौशाम्बी सीट इंडिया गठबंधन के खाते में जा रही है। पूरे देश में करीब 300 सीट इंडिया गठबंधन जीतने जा रही है। गठबंधन के कार्यकर्ता निराश होने वाले नहीं है। वह अपने प्रत्याशी को जीत दिलाने के बाद ही मतगणना स्थल से हटेंगे। किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे। गर्मी प्रचंड है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह मतगणना स्थल पर अभिकर्ताओं के बैठने के लिए उचित व्यवस्था करने के साथ ही पर्याप्त हवा और पानी की व्यवस्था करे।

अगर ईवीएम से कोई छेड़छाड़ नहीं की गई होगी तो नतीजे अलग होंगे: प्रतिभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व मंडी संसदीय क्षेत्र से मौजूदा सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि लोकसभा के चुनाव परिणाम एग्जिट पोल के विपरीत आएंगे और देश मे इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा है कि

प्रदेश के चारों लोकसभा व छह विधानसभा चुनाव परिणाम भी कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा असफल हो गया है और भाजपा 200 पार भी नहीं कर पाएगी।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि चुनावों में भाजपा ने मुद्दों पर कोई बात नहीं की। बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी पर पूरी तरह खामोश रही। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश में लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान किया है। उन्होंने कहा कि 4 जून चुनाव परिणाम पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में ही आएंगे। प्रतिभा सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने चुनाव परिणाम प्रभावित करने के लिए जो-जो हथकंडे अपनाए हैं वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं। प्रतिभा सिंह ने दावा किया कि उनकी मंडी संसदीय सीट पर विक्रमादित्य सिंह की जीत पक्की है और वह रिकार्ड मतों से अपनी जीत का परचम लहराएगा।

केसीआर के दामाद के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद (तेलंगाना)। तेलंगाना के मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आरोप लगाया कि फोन टैपिंग के आरोपों के बाद पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दामाद हरीश राव अमेरिका भाग गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केसीआर सरकार ने व्यापारियों और न्यायाधीशों सहित 1200 से अधिक फोन टैप किए। उन्होंने मामले की जांच कर रही एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से केसीआर के दामाद के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की है।

» कांग्रेस ने सीबीआई को लिखा पत्र

कांग्रेस सरकार में मंत्री रेड्डी ने कहा कि फोन टैपिंग के पीछे का मास्टरमाइंड पूर्व एसआईजी डीजी प्रभावकर राव है। प्रभाकर राव के निर्देश पर 1200 फोन टैप किए गए, जिनमें व्यवसायियों और यहां तक कि न्यायाधीशों के फोन भी शामिल हैं। यह सबूत है कि विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद पूर्व सीएम केसीआर के दामाद हरीश राव और प्रभाकर अमेरिका भेजा गया। उन्होंने कहा, हमने रेड कॉर्नर नोटिस की मंजूरी के लिए सीबीआई को पत्र लिखा है।

पूर्व डीसीपी के आरोप के बाद सामने आया मामला

फोन टैपिंग का मामला तब सामने आया, जब पूर्व डीसीपी पी राधाकृष्ण राव ने आरोप लगाया कि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के राजनीतिक प्रतिद्वंदियों पर नजर रखने के लिए कथित तौर पर कई राजनेताओं, व्यापारियों और टॉलीवुड हस्तियों के टेलीफोन उपकरणों की निगरानी की गई थी।

बीजेपी सांसद ने कांग्रेस सरकार को घेरा

इस मामले पर बीजेपी सांसद संजय ने कांग्रेस सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा कि स्पष्ट सबूतों के बावजूद, कांग्रेस सरकार केसीआर को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही है। मुख्य आरोपी प्रभाकर राव को अमेरिका से वापस क्यों नहीं लाया गया। संजय ने कहा, भाजपा की मांग है कि केसीआर को तुरंत गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा चलाया जाए।

शराब घोटाले में फंसी बेटी को बचाना चाहते थे केसीआर: बंदी संजय

बीजेपी सांसद बंदी संजय ने कहा, अब यह स्पष्ट है कि पूर्व सीएम केसीआर शराब घोटाले में फंसी अपनी बेटी के. कविता को बचाने के बदले में विधायक खरीद-फरोख्त का मामला गढ़ना चाहते थे। उन्होंने कहा कि केसीआर ने न केवल कानून को धोखा दिया है, बल्कि फोन टैपिंग के जरिये नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को भी कुचल दिया है। इसके अलावा बीजेपी सांसद संजय ने कहा कि केसीआर के साथ बीआरएस पार्टी के फोन टैपिंग में शामिल सभी लोगों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

बामुलाहिजा

आप की हमारी पार्टी मे शामिल होने की गारंटी.... रोज़गार की गारन्टी से कम नहीं है खाद्य रसद विभाग ना सही 5 किलो राशन तो पक्का है....

सटीक नहीं एग्जिट पोल, कांग्रेस के पक्ष में आएंगे परिणाम: हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। हरियाणा के रोहतक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि एग्जिट पोल सटीक नहीं हैं। कई बार एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल गलत साबित हो चुके हैं। चार जून को परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। हुड्डा ने कहा कि चुनाव में धांधली का आरोप लगाने वाली भाजपा सरकार बौखलाहट में है, क्योंकि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को जनता का भरपूर समर्थन मिला है।

जनता ने कांग्रेस का संगठन बनाकर यह चुनाव लड़ा। कई बार एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल गलत साबित हो चुके हैं। कांग्रेस ने बेरोजगारी, अपराध, नशे, महंगाई, खेती, कारोबार जैसे जमीनी मुद्दों पर चुनाव लड़ा। भाजपा के पास न कोई मुद्दा था और न ही कोई रिपोर्ट कार्ड। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसी भी वर्ग की आशाओं पर खरी नहीं उतर पाई। प्रदेश को बेरोजगारी में नंबर वन बना दिया है। 2 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं, लेकिन सरकार पक्की भर्तियां करने की बजाय लगातार भर्ती घोटाले कर रही है।

'हाथ' को इस बार नॉर्थ से साथ की उम्मीद

बेरोजगारी-महंगाई जैसे जनता से जुड़े मुद्दों को बनाया हथियार

- चुनाव में कांग्रेस ने की उत्तर भारत को साधने की कोशिश
- कांग्रेस ने किया स्ट्रेटजी में बदलाव
- एमपी, हरियाणा, राजस्थान और बिहार में सीटें बढ़ने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में लगातार चढ़ते तापमान ने लोगों के पसीने छुटा रखे हैं। कई हिस्सों में तो पारा 50 डिग्री के भी पार जा चुका है। तो वहीं अधिकांश हिस्सों में तापमान 46-47 डिग्री के ऊपर ही बना हुआ है। आलम ये हो गया है कि मौसम विभाग ने भी लोगों से बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकलने को कहा है, अन्यथा घर में रहने की ही सलाह दी है। लेकिन जैसे-जैसे मौसम का मिजाज गर्म हुआ पड़ा है। वैसे ही देश के अंदर सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। देश के अंदर सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव अब सम्पन्न हो चुके हैं। अब सभी की निगाहें लगी हुई हैं 4 जून को चुनाव परिणाम वाले दिन पर, जिस दिन ये पता चलेगा कि देश की कमान किसके हाथों में जाने वाली है। 4 जून को ये पता चलेगा कि जनता ने किसके वादों पर भरोसा किया है और किसके वादों को किया है सिरे से खारिज।

फिलहाल इस बार बीजेपी जहां सत्ता में फिर से जोरदार वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है। तो वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के बैनर तले एकजुट हुआ विपक्ष है, जो इस बार हर हाल में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश में लगा हुआ है। इंडिया और एनडीए गठबंधन के बीच कहीं न कहीं असली लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है। क्योंकि भाजपा पिछले एक दशक से सत्ता पर राज कर रही है। जबकि कांग्रेस पिछले दो लोकसभा चुनावों में पूरे देश में क्रमशः 44 और 52 सीटों पर ही सिमट गई। ऐसे में ये चुनाव एक ओर जहां भाजपा के लिए सत्ता में जीत की हैट्रिक लगाने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। तो वहीं कांग्रेस के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार और सत्ता में वापसी के नजरिए से बेहद अहम हो जाते हैं।

इस बार कांग्रेस की स्ट्रेटजी में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस भी इस चुनाव को काफी गंभीरता से ले रही है। बेशक 2019 के लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष मजबूत दिख रहा था और राहुल गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस खुद को संभालती दिख रही थी। लेकिन चुनाव के ऐन वक्त पर पुलवामा हमला हो जाने से पूरे देश में माहौल एकदम से बदल गया है। चुनाव में ऐसी हवा चली कि एक बार फिर भाजपा ने सत्ता में जोरदार तरीके से वापसी की। लेकिन इस बार न तो अभी तक ऐसी कोई घटना घटी है जो एकदम से चुनाव के रुख को बदल दे और न ही इस चुनाव में किसी की कोई लहर या मोदी मैजिक है। इसलिए इस बार लोकसभा चुनाव का मुकाबला काफी कड़ा और रोमांचक रहा है। फिलहाल मतदान तक तो रहा ही है। वहीं भले इस बार कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी न हों, लेकिन लीडरशिप में राहुल गांधी ही कांग्रेस का प्रमुख चेहरा बने हुए हैं। जिस तरह से पिछले डेढ़ साल में उनकी छवि में बदलाव आया है, उसने कांग्रेस को एक अलग मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है। वहीं इस चुनाव में जिस तरह से कांग्रेस व राहुल गांधी ने आमजन के मुद्दों को उठाया है और संविधान को खतरे में बताकर जो मुद्दा लोगों तक जमीनी स्तर पर पहुंचाया है। उसने कांग्रेस को काफी मजबूती प्रदान की है। तो वहीं बीजेपी के लिए मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं।

साउथ में आसान है कांग्रेस की राह

हर किसी को इस बात की पूरी उम्मीद है कि कांग्रेस इस बार मजबूत प्रदर्शन करने जा रही है। एक तरफ जहां कांग्रेस उन राज्यों में अपना प्रदर्शन दोहराने जा रही है, जहां पिछली बार उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था। तो वहीं वह साउथ के अलावा नॉर्थ के कुछ राज्यों में भी कांग्रेस अपने लिए बेहतर नतीजे की उम्मीद लगाए बैठी है। जहां उसका खाता ही नहीं खुला था या फिर एक दो सीटों तक सिमटकर रह गया था। कांग्रेस के इस आत्मविश्वास के पीछे जहां एक ओर पार्टी व लोगों का मानना है कि राहुल गांधी की यात्रा का असर रहा है। वहीं इसके पीछे बड़ा कारण विपक्षी खेमे में बेहतर समन्वय और चुनाव के चरण दर चरण उनका इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ किए गए प्रचार को मिला रिस्पॉन्स है। जबकि कांग्रेस इस बार सबसे कम 327 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। दक्षिण भारत में हमेशा ही कांग्रेस काफी मजबूत रही है। वहीं अपने 10 साल के कार्यकाल के बाद भी भाजपा या पीएम मोदी साउथ में अपनी जमीन नहीं तलाश पाए हैं। दक्षिण भारत में भाजपा सिर्फ कर्नाटक में ही थोड़ा बहुत खड़ी नजर आती है। वहां भी इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी को बुरी तरह हराकर सत्ता में वापसी की है। ऐसे में साउथ में इस बार भी कांग्रेस के लिए राह आसान ही है। 2014 में जब कांग्रेस व यूपीए सरकार को देश में ज्यादातर जगहों पर हार का सामना करना पड़ा था। उस वक्त भी दक्षिण के राज्यों ने ही कांग्रेस को मजबूती दी थी और पार्टी ने 44 सीटों पर जीत नसीब कर पाई थी। जिसमें से उसे कर्नाटक से 9 और केरल से 8 सीटें मिली थीं। जबकि नए बने राज्य तेलंगाना में दो सीटें आई थीं और तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश में उसका खाता ही नहीं खुला था। दूसरी ओर 2019 में कांग्रेस 421 सीटों पर लड़ी और उसे 52 सीटें आई थीं। जबकि पार्टी को जहां कर्नाटक से एक सीट आई थीं तो केरल से 15 सीटें मिली थीं। वहीं आंध्र प्रदेश ने उसे पिछली बार भी निराश किया तो तमिलनाडु में 8 और तेलंगाना में एक सीट मिली थी। लेकिन अब पांच साल बाद हालात काफी बदल गए है। इस बार ऐसी संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस तमिलनाडु और केरल में शानदार प्रदर्शन करने जा रही है। तो वहीं दूसरी ओर जिस कर्नाटक में उसे पिछले चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी। इस बार प्रदेश में सत्ता होने के चलते कर्नाटक में कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इसके अलावा तेलंगाना में भी इस बार कांग्रेस शानदार प्रदर्शन कर सकती है। क्योंकि तेलंगाना में भी कांग्रेस सत्ता में है और यहां पर बीआरएस को लेकर लोगों में काफी नाराजगी है। कांग्रेस का मानना है कि उसकी सरकार जनता से किए गए वादों को जमीन पर उतारने में सफल रही है। इसके आधार पर उसे इस बार बेहतर नतीजे मिलेंगे। वह अपनी सीटों को यहां से बढ़ने की आशा लगाए है।

यूपी-बिहार में सहयोगियों के भरोसे कांग्रेस

कांग्रेस को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से भी काफी उम्मीदें हैं। बेशक मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था। लेकिन उसे उम्मीद है कि मध्य प्रदेश में भाजपा के अंदर ही नाराजगी चल रही है। इसके अलावा दलितों का शोषण हो रहा है, जिसका लाभ कांग्रेस उठा सकती है। वहीं यूपी में कांग्रेस समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। इस बार उत्तर प्रदेश में कई सीटों पर इंडिया गठबंधन बीजेपी को कड़ी टक्कर देते दिख रहा है। ऐसे में प्रदेश की 17 सीटों पर लड़ रही कांग्रेस को उम्मीद है कि यूपी में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर सकती है और सीटों

में बड़ी बढ़त हालिस कर सकती है। बिहार में कांग्रेस आरजेडी के साथ लड़ रही है, उसे लगता है कि जिस तरह नीतिश कुमार ने चुनाव से ऐन पहले पाला बदलकर वहां सरकार को अस्थिर किया। इससे जमीन पर लोगों की सहानुभूति आरजेडी-कांग्रेस महागठबंधन के साथ है। इसके अलावा बिहार में नीतीश का अब जमीन पर वो असर भी नहीं रहा है जो कुछ समय पहले तक होता था। इसका लाभ भी कांग्रेस को ही मिलने की संभावना है। कुछ ऐसी ही उम्मीद झारखंड से है, जहां इंडिया गठबंधन को लगता है कि सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से उपजी सहानुभूति उन्हें फायदा देगी। कांग्रेस को इस बार अपने लिए बेहतर नतीजों की उम्मीद अगर बनी है तो उसके पीछे उसके अपनी रणनीति भी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस ने इस बार पूरी रणनीति और तैयारियों के साथ चुनाव लड़ा है।

कांग्रेस ने पूरे चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया

कांग्रेस ने इस बार पूरे चुनाव के दौरान लगातार महंगाई, बेरोजगारी, संविधान बचाने जैसे बड़े मुद्दों को लेकर जनता से संवाद किया है और जनता से जुड़े मुद्दों को ही उठाया है। फिर वो चाहे पार्टी के सीनियर लीडर राहुल गांधी या प्रियंका गांधी हों या फिर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे। पूरे चुनाव के दौरान कांग्रेस न सिर्फ जनता के बीच गई और उसके मुद्दों को उठाया बल्कि उसने पूरे चुनाव में लोगों से जुड़े असली मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ने की कोशिश भी की। वह मुद्दों से भटकी नहीं। जबकि पिछले दो चुनावों में ऐसा देखा गया था कि पार्टी बीजेपी व पीएम मोदी द्वारा सेट किए अजेंडे के बीच झूलती रही और प्रतिरक्षात्मक मोड में दिखी। जबकि इस बार उसने अजेंडे सेट किए और पीएम मोदी व सत्तारूढ़ दल को जवाब देना पड़ा। कांग्रेस के इस आत्मविश्वास के पीछे एक बड़ी वजह उसका अपना मेनिफेस्टो भी माना जा रहा है, जहां पांच सामाजिक न्याय और 25 गारंटियों के भरोसे वह लोगों के बीच गई। इसलिए इस बार ऐसी पूरी उम्मीद है कि कांग्रेस का साउथ के साथ-साथ नॉर्थ में भी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। फिलहाल अब बस 3 दिन के अंदर ये पता चल जाएगा कि किसका प्रदर्शन कैसा रहा है और जनता ने किसके वादों पर ज्यादा भरोसा जताया है। फिलहाल तो कांग्रेस की आक्रामक रणनीति और जनता से जुड़ाव को देखकर ऐसा लगता है कि कांग्रेस की सीटों में इस बार काफी बढ़ोत्तरी होने जा रही है। भाजपा भी इसी बात से काफी घबराई हुई है। अब देखते हैं 4 जून को नतीजे क्या संदेश लेकर आते हैं।

जहां पिछली बार थी जीरो, वहां हीरो बनने की कोशिश

इस बार के चुनावों में कांग्रेस की निगाहें उन राज्यों में ज्यादा है जहां उसका प्रदर्शन पिछले चुनावों में अच्छा नहीं रहा था। जहां या तो पार्टी का खाता भी नहीं खुला था या सिर्फ 1-2 सीट से ही पार्टी की संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार कांग्रेस इन राज्यों में अपना परचम लहराना चाहती है। इसके लिए पार्टी की ओर से काफी मेहनत भी की गई है और चुनाव के दौरान का माहौल देखकर ऐसा लगता भी है कि उसकी मेहनत 4 जून को रंग लाने वाली है। जिन राज्यों में कांग्रेस इस बार ज्यादा ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाह रही है उनमें गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, यूपी, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्य हैं। जहां पिछली बार कांग्रेस जीरो या फिर एक-दो सीट पर ही सिमट गई थी। हरियाणा में पिछली बार कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। इसलिए कांग्रेस को उत्तर में जहां खास उम्मीदें हैं उनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, हरियाणा व छत्तीसगढ़ जैसे राज्य माने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के बैनर तले लड़ रही कांग्रेस के इस बार अच्छा करने की काफी उम्मीदें हैं। दरअसल, 2014 में उसे यहां से दो और पिछली बार एक सीट मिली थी। लेकिन इस बार एनसीपी शरद पवार और शिवसेना यूबीटी के साथ मिलकर लड़ रही कांग्रेस को प्रदेश में काफी उम्मीदें हैं। इसी तरह गुजरात, हरियाणा व राजस्थान में पार्टी अपना खाता खोलने की उम्मीद लगाए हुए है। हरियाणा में किसानों की नाराजगी, महिला पहलवान का असंतोष और जाटों के गुस्से को पार्टी अपने पक्ष में माहौल मान रही है। कांग्रेस मान रही है कि डबल इंजन की सरकार के प्रति लोगों का असंतोष उसकी नैया पार लगाएगा। हरियाणा में तो ऐसी भी उम्मीद लगाई जा रही है कि कांग्रेस सभी सीटों पर हावी दिखाई पड़ रही है। यहां भाजपा से लोगों में काफी नाराजगी है। साथ ही कांग्रेस की तरफ माहौल भी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ये ही रात अंतिम, ये ही रात भारी

लगभग डेढ़ महीने तक चला लोकतंत्र का महापर्व अब जून की पहली तारीख को समाप्त हो चुका है। सातों चरण का मतदान पूरा हो जाने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों, उनके नेताओं व जनता की निगाहें भी कल 4 जून को आने वाले चुनाव परिणामों पर टिकी हुई हैं। ऐसे में कहीं न कहीं इन नेताओं के लिए 'ये ही राहत अंतिम, ये ही रात भारी' वाले हालात हैं। 19 अप्रैल को शुरू हुए इस महापर्व में लोकतंत्र के रखवालों ने कई बार शब्दों की मर्यादा को भी तार-तार किया। तो वहीं इस महापर्व के दौरान मंगलसूत्र चुराने, बैंक से पैसे निकालने और भैंस चुरा ले जाने तक के आरोप विपक्ष पर लगाए गए। तो वहीं विपक्ष की ओर से भी सत्ता पक्ष को तरह-तरह से कोसा गया। वैसे तो इस पूरे चुनाव में हिंदू-मुसलमान और संविधान चर्चा में बना रहा। क्योंकि एक ओर जहां दस साल सत्ता में बिताने के बाद भी सत्ता पक्ष अपने किसी काम या विकास के नाम पर नहीं बल्कि हिंदू-मुसलमान के नाम पर लोगों से वोट की अपील करता रहा। तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार संविधान बचाने की और लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए जनता से अपने लिए वोट की मांग करता रहा।

विपक्ष की ओर से लगातार ये कहा जाता रहा कि अगर भाजपा दोबारा सत्ता में आ गई तो बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को बदल दिया जाएगा और दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में ही लोकतंत्र को खत्म कर दिया जाएगा। यहां तक कि कांग्रेस के नेता तो अपनी जनसभाओं, रैलियों और रोड शो में संविधान की किताब लेकर तक जाने लगे और उसे दिखाकर लोगों को अपनी बातों पर भरोसा दिलाते रहे। दूसरी ओर सत्ता पक्ष सिर्फ और सिर्फ हिंदू-मुसलमान करता रहा। फिलहाल तो अब पूरा चुनाव समाप्त हो चुका है। चुनाव भर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे करते रहे। चुनाव की शुरूआत में अबकी बार 400 पार का नारा लेकर चलने वाली भाजपा चुनाव के मध्य तक ही खुद 'फिर एक बार पूर्ण बहुमत की सरकार' के नारे पर आ गई। तो वहीं विपक्ष का आत्मविश्वास चरण दर चरण बढ़ता गया। पहले चरण में भाजपा के सत्ता से जाने की बात कहने वाला विपक्ष छठे-सातवें चरण तक अपनी सीटों को 300 बताने लगा और इंडिया गठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की बात कहने लगा। फिलहाल जनता ने पूरे चुनाव के दौरान दोनों पक्षों की बातों और दावों को सुना है। साथ ही सभी के चुनावी घोषणापत्रों को भी ध्यान से देखकर ही मतदान किया है। हालांकि, इस बार कम मतदान भी एक मुद्दा रहा। लेकिन अब ये सब सिर्फ बातें रह गई हैं, क्योंकि सिर्फ आज की रात बाकी है। कल का सूरज देश के अंदर एक नई उम्मीद के साथ उदय होगा। ऐसे में नेताओं व राजनीतिक दलों के लिए ये ही रात अंतिम है और ये ही रात भारी है।

"19 अप्रैल को शुरू हुए इस महापर्व में लोकतंत्र के रखवालों ने कई बार शब्दों की मर्यादा को भी तार-तार किया। तो वहीं इस महापर्व के दौरान मंगलसूत्र चुराने, बैंक से पैसे निकालने और भैंस चुरा ले जाने तक के आरोप विपक्ष पर लगाए गए। तो वहीं विपक्ष की ओर से भी सत्ता पक्ष को तरह-तरह से कोसा गया। वैसे तो इस पूरे चुनाव में हिंदू-मुसलमान और संविधान चर्चा में बना रहा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हीट वेव में तेजी बड़े वैश्विक संकट की आहट

डॉ. शशांक द्विवेदी

पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कहीं बहुत ज्यादा गर्मी के कारण जंगलों में आग लग रही है तो कहीं लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। भारत के भी कई राज्यों में गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। अपने ठंडे मौसम के लिए पहचाने जाने वाले यूरोप और अमेरिका भी ऐतिहासिक गर्मी का सामना कर रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने एक डराने वाली चेतावनी जारी की है। यूएन के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण अकेले दक्षिण एशिया में तीन-चौथाई बच्चे खतरनाक गर्मी की चपेट में हैं, जिनकी संख्या करीब 46 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ के मुताबिक, मौजूदा समय में दुनिया में सबसे ज्यादा तापमान दक्षिण एशिया में है। जलवायु परिवर्तन के भयंकर असर के कारण इस क्षेत्र के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है।

इस बढ़ते हुए तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, दक्षिण एशिया में 18 साल से कम उम्र के 76 फीसदी बच्चे भीषण तापमान वाले इलाकों में रहते हैं। इनकी तादाद करीब 46 करोड़ है। यूनिसेफ के मुताबिक, अगर वैश्विक स्तर पर बात की जाए तो हर तीन में से एक बच्चा भीषण गर्मी से प्रभावित है। दरअसल, बच्चों में जलवायु परिवर्तन के साथ अपने शरीर के तापमान को ढालने की क्षमता कम होती है। विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन इस हीट वेव की मुख्य वजह है। वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी), जो कोयले, गैस और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से होता है, वो हीट वेव को अधिक गर्म और खतरनाक बना रहा है। वैश्विक तापमान उबाल पर है। आंकड़ों से साफ है कि दक्षिण एशिया में करोड़ों बच्चों का जीवन हीट वेव और बहुत ज्यादा तापमान के कारण जोखिम में पड़ गया है। यूएन की ओर से जारी चेतावनी के मुताबिक, भारत समेत अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के असर के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा जोखिम में हैं।

अनुमान है कि दक्षिण एशिया के इन देशों में हर साल कम से कम 83 दिन 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बच्चे अपने शरीर को इतने ज्यादा तापमान के मुताबिक ढालने में सक्षम नहीं होते हैं। यूएन के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की

अप्रैल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल कामकाज के दौरान करीब 19,000 लोग गर्मी के चलते मारे जा रहे हैं। आसान भाषा में समझें तो एक ऐसा बिंदु आता है जब शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता है। असल में पानी की कमी से बॉडी डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाती है। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पानी के साथ कई जरूरी मिनरल और विटामिन की कमी भी हो जाती है। इस वजह से बॉडी के कई ऑर्गन जैसे किडनी, लंग्स और हार्ट डैमेज हो सकते हैं और उस वजह से लोगों की मौत हो सकती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। 'तीसरा ध्रुव' नाम से जाना जाने वाला हिमालय अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद ग्लेशियर बर्फ का तीसरा सबसे बड़ा सोर्स है। वैज्ञानिकों के अनुसार 400 से 700 साल पहले के मुकाबले पिछले कुछ दशकों में हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघले हैं। यह गतिविधि साल 2000 के बाद ज्यादा बढ़ी है। साइंस जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए एक शोध के अनुसार इससे एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले करोड़ों भारतीयों पर पानी का संकट आ सकता है। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। कथित विकास की अंधी दौड़ में शामिल दुनिया क्या खौलती गर्मियों से स्वयं को बचा पायेगी।

वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले साल उत्तरी गोलार्ध में इतनी गर्मी पड़ी कि करीब 2,000 साल का रिकॉर्ड टूट गया। 2023 को धरती पर अब तक सबसे गर्म वर्ष कहा गया। 2024 में भी भीषण गर्मी अब तक एशिया के कई देशों को झुलसा चुकी है। भारत में भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। देश के कई इलाके हीट वेव की चपेट में हैं। इस बीच मौसम विभाग ने देश में हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत समेत मैदानी इलाकों में भीषण लू की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

जैव विविधता बचाने को प्राकृतिक खेती की राह

अखिलेश आर्येन्दु

जैव विविधता को नष्ट करने में जहरीले रसायनों का हाथ प्रमुख है। इसी तरह मिट्टी की गुणवत्ता और वातावरण की सात्विकता का नाश भी कीटनाशकों से हो रहा है। इसलिए भारत में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें कई सहूलियत भी दे रही हैं। लेकिन प्राकृतिक खेती के उत्पाद महंगे होने की वजह से इनकी बिक्री बहुत कम होती है। सरकारों को इस तरफ गौर करना चाहिए। इससे जहां इन रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है, वहीं जानवरों और पक्षियों को बीमारियों से बचाकर जैव विविधता को बचाने में मदद मिल सकती है।

जैविक खेती के उत्पादों को छोड़ दिया जाये तो भी पीने और खाने की हर वस्तु में कीटनाशक मिलाए जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक देश का पर्यावरण कीटनाशकों के इस्तेमाल से जहरीला ही नहीं हो गया है बल्कि हमारा पीने वाला पानी और भोजन भी जहरीला हो गया है। इससे शारीरिक, मानसिक बीमारियां और अपंगता की समस्याएं भी लगातार बढ़ती रहती हैं। एम्स के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्ययन के अनुसार, घरों में मच्छरों और काकरोचों को मारने के लिए छिड़के जाने वाले कीटनाशकों का 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर असर बहुत गहरे तक पड़ता है। बिडम्बना यह कि शिक्षित घरों में भी इसके प्रति कोई खास जागरूकता नहीं है। घरों में महंगे चमकीले सेब, केले, आम, बैंगन, भिंडी, लौकी जैसी इस्तेमाल होने वाली सब्जियों में कीटनाशकों का इस्तेमाल, एक नहीं दो-तीन स्तरीय होने लगा है। खेत में जहां इनका उपयोग फसल की वृद्धि के लिए करते हैं, वहीं फसलों के रोगों से बचाव के लिए भी किया जाता है। वहीं चमकदार बनाने के लिए फोलिडज नामक रसायन में इन्हें डुबोया जाता है। इन तीन स्तरों पर कीटनाशकों और रसायनों के इस्तेमाल से जीवन, पर्यावरण, जैव विविधता और कृषि की जमीन पर कितना असर पड़ता होगा? एक आंकड़े के मुताबिक, 2013-14 में देश के करीब 90 लाख हेक्टेयर जमीन में कीटनाशकों को छिड़काव के लिए इस्तेमाल किया, जो उपयोग बढ़कर 2017-18 में 94 लाख से अधिक हेक्टेयर तक में हो गया।

इसके अलावा बागवानी और औषधीय खेती में भी कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है जिससे कोई भी फल और जड़ी-बूटी जहरीले रसायनों से सुरक्षित नहीं रह गयी है। ऐसा लगता है जैसे यह मान लिया गया हो कि बगैर जहरीले रसायनों के इस्तेमाल के फसल, विविध उत्पाद और भोजन को खराब होने से बचाया ही नहीं जा सकता है। मसलन, कई राज्यों में टमाटर की अनेक किस्मों की फसलें उगाई जाती हैं। इनमें रश्मि और रूपाली प्रमुख हैं। हेल्योशिस आर्मिजरा नामक कीड़ा इन्हें बहुत नुकसान पहुंचाता है। इस कीड़े की रोकथाम के लिए इसमें रेपलीन, चैलेंजर, रोगर हाल्ट का छिड़काव कई चरणों में किया जाता है। नये वैज्ञानिक शोधों से यह भी पता चला है कि कीटनाशकों के इस्तेमाल से खाद्यान्नों, फलों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण तत्वों पर भी असर पड़ रहा है। इनकी गुणवत्ता में कमी आ रही है। नई-नई बीमारियों का जहां जन्म हो रहा है, वहीं पर इंसान असमय बूढ़ा हो रहा है।

भोजन के अलावा पानी को शुद्ध करने के नाम पर भी रसायनों का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। देश के कई शहरों में पीने के पानी में डीडीटी और बीएसजी की मात्रा पाई जाती है। महाराष्ट्र के बोतलबंद दूध के 70 नमूनों में डीडीटी और एल्ड्रिन की मात्रा 4.8 से 6.3 भाग प्रति दस लाख तक पाई जाती है। दिल्ली के लोगों के शरीर में डीडीटी की मात्रा सबसे अधिक पाई जाती है। इसका कारण यमुना का दूषित पानी और रसायनों से दूषित आहार है। कीटनाशकों के बढ़ते असर का परिणाम यह हुआ है कि जैव विविधता की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगने लगा है। शोध के मुताबिक जिन क्षेत्रों की फसलों में कीटनाशक दवाओं का प्रयोग अधिक किया जाता है, वहां पिछले 50 सालों में कई वनस्पतियां और कीट-पतंगे हमेशा के लिए खत्म हो गए हैं। कई इलाकों का पर्यावरण कीटनाशकों के कारण इतना दूषित हो गया है कि श्वास, त्वचा, दिल और दिमाग संबंधी तमाम बीमारियां आमतौर पर होने लगी हैं। देश के जाने-माने वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और चिकित्सकों के अनुसार कीटनाशकों से शोधित और छिड़काव किये टमाटर, बैंगन और सेब के खाने से किडनी, छाती, स्नायुतंत्र, पाचन अंग और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ने लगा है।

सेहत के मामले में बच्चों के शारीरिक, मानसिक विकास में उनको दिया जा रहा कीटाणुयुक्त पानी और भोजन बहुत खतरनाक पाया गया है। चिंता की बात यह है कि विज्ञापनों के मकड़जाल में किसान और उद्योग जगत ही नहीं उन परिवारों के लोग भी हैं जो स्वयं को तो वैज्ञानिक सोच का कहते हैं, लेकिन जब पानी और आहार की शुद्धता की बात आती है तो वह भी समझौता कर लेते हैं। स्थिति यह हो गई है कि परिवार के परिवार कीटनाशकों के असर के कारण कई गम्भीर बीमारियों के चपेट में हैं। लोगों का तर्क यह है कि यदि सभी खाद्यों और पेयों में कीटनाशक इस्तेमाल किये जा रहे हैं तो वे कहां से जैविक खाद्य लाएं। गौरतलब यह भी कि अधिक महंगे जैविक खाद्य को यदि इस्तेमाल करने की कोशिश की जाए तो गरीब आदमी तो इसके उपयोग करने की बात सोच भी नहीं सकता।

पपीता

पपीते, शहद और केले के फेस पैक से आप अपनी त्वचा को मुलायम बना सकते हैं। इन तीनों का कॉम्बिनेशन त्वचा को हाइड्रेट करता है और आपके चेहरे पर अतिरिक्त सिबम कंट्रोल होने लगता है। इसकी वजह से आपके चेहरे पर चमक आती है और त्वचा मुलायम बनती है। इसे बनाने के लिए आप आधा कप पपीता ले लें। इसके साथ ही करीब आधा कप केला लें। केले और पपीते को मैश कर लें और इसके ऊपर से करीब एक बड़े चम्मच शहद मिला दें। इस पैक को चेहरे पर करीब 20 मिनट तक लगाएं। जब ये सूखने लगे तो चेहरा पानी से साफ कर लें। कुछ ही दिनों में आपको चेहरे पर फर्क दिखने लगेगा।

हल्दी

हल्दी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा चमक उठेगा। इसको लगाने के लिए बस आपको इसका पैक तैयार करना है और फिर इसे अपने चेहरे पर अप्लाई करना है। कुछ ही दिन में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

एलोवेरा जेल

अगर आपके पास पैक बनाने और इसे लगाने का समय नहीं है तो सिर्फ एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से आप दमकती त्वचा पा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से लिए आपको चेहरा धोने के बाद एलोवेरा जेल को सही से चेहरे पर लगाना है। आप चाहें तो इसके लिए ताजे एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच एलोवेरा में एक चम्मच दही मिला दें। इस फेस पैक का इस्तेमाल आप हफ्ते में 2-3 बार कर सकती हैं। एक कटोरी में बेसन लें, इसमें एलोवेरा जेल को मिला दें। चाहें तो आप इसमें गुलाब जल भी डाल सकते हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद पानी से धो लें। ये मुंहासों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। एक चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच चंदन पाउडर मिला दें। अब इसमें गुलाब जल भी डाल सकते हैं। इस पेस्ट को अच्छी तरह मिला लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं।

तुलसी के पते

हर घर में तुलसी का पौधा पाया जाता है। इसके इस्तेमाल से आपको दमकती त्वचा मिल सकती है। तुलसी के पत्तों में नीम के पत्तों को मिलाकर इसे पीस लें। इसके बाद इसे अपने चेहरे पर सही से लगाने के कुछ देर बाद अपना चेहरा धो लें।

दही और नींबू फेस पैक

अगर आप दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो इस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। इसे बनाने के लिए आपको दही में नींबू का रस मिलाने की जरूरत है। इनमें मौजूद ब्लीचिंग तत्व से चेहरे पर अच्छा असर दिखाता है। ध्यान रखें कि नींबू की मात्रा बहुत कम लें। 2 चम्मच ताजे दही में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और एक चौथाई चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें और फिर इसे पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स आपकी त्वचा को नमी प्रदान कर सकते हैं और उसे सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखने में भी सहायक हो सकता है। ड्राई स्किन के लिए दही बेहद फायदेमंद होता है। जिन लोगों की ड्राई स्किन है और धूप के कारण टैनिंग हो चुकी है तो इसे निकालने के लिए दही और नींबू का इस्तेमाल कारगर साबित हो सकता है।

चेहरे के दाग-धब्बे

इन प्राकृतिक तरीकों से करें साफ

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल का असर लोगों के शरीर के साथ-साथ चेहरे पर भी दिखाई देता है। जिस तरह से खराब लाइफस्टाइल से शरीर आंतरिक रूप से कमजोर होता है, ठीक उसी तरह से बाहर के खान-पान और तनाव के चलते चेहरे पर कई परेशानियां दिखने लगती हैं। इसके अलावा हार्मोन्स के असंतुलन, तेज धूप या पिंपल्स के कारण चेहरे पर काले दाग-धब्बे हो जाते हैं, जिन्हें छुपाना आसान नहीं होता। इन सभी परेशानियों से छुटकारा दिलाने के लिए बाजार में तमाम तरह के प्रोडक्ट मिल जाते हैं, जिनमें काफी ज्यादा केमिकल भी पाया जाता है। ऐसे में ये फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान भी पहुंचा देते हैं। इसी के चलते ज्यादातर लोग चेहरे को चमकाने के लिए घरेलू प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। आप इन घरेलू नुस्खों की मदद से अपने चेहरे के दाग-धब्बों को साफ कर सकते हैं।

हंसना मना है

भैया की साली की सहेली पर पप्पू इंप्रेशन जमाने के लिए बोला... पप्पू- I love You Totally... सहेली देहाती थी... इसलिए Totally को तोतली समझ भड़क गई...बोली- तेरा बाप तोतला, तेरी मां तोतली...तू तोतला...तेरा खानदान होगा तोतला...मुझे तोतली कह रहा है... तोतले खानदान की बदतमीज औलाद... पप्पू- आइला, Totally गुस्सा भी करती है।

टीचर- बच्चो मुझे बताओ कि पहले जिस जगह का नाम मद्रास था, अब उसे किस नाम से जाना जाता है? स्टूडेंट- चेन्नई। टीचर- बिल्कुल सही जवाब। अब मुझे बताओ कि चेन्नई नाम क्यों रखा गया? स्टूडेंट- सर, वहां के लोग लुंगी पहनते हैं न और लुंगी में पैंट की तरह चेन नहीं होती, इसलिए (चेन नहीं) चेन्नई नाम रखा गया।

टीटी ने चिंटू को पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरों के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं... बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

कहानी | लक्ष्य पर ध्यान

यह उन दिनों की बात है जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका में थे। एक दिन वो सैर के लिए निकले और घूमते-घूमते एक पुल के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पुल पर खड़े बच्चों पर गई। सभी बच्चे बंदूक से पुल के नीचे बहती बड़ी-सी नदी में तैर रहे अंडों के छिलकों पर निशाना लगाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। कई कोशिशों के बाद भी वो एक बार भी अंडे के छिलके पर सही निशाना नहीं लगा पाए। यह देखकर स्वामी विवेकानंद बड़े हैरान हुए। उनके मन में हुआ कि मुझे भी एक बार कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों से बंदूक मांगी और खुद निशाना लगाने लगे। स्वामी ने बंदूक तानी और अंडे के छिलके पर पहली बार में ही निशाना लगा लिया। पहला निशाना सही लगने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे अंडे के छिलकों पर सही निशाना लगाया। स्वामी के निशाने की कला को देखकर बच्चे हैरान रह गए। बच्चों ने स्वामी से पूछा कि आखिर वो कैसे एक के बाद एक सही निशाना लगा रहे हैं। आगे बच्चों ने कहा कि वो बहुत देर से उन छिलकों पर निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हमें भी बताइए सही तरीके से निशाना लगाने के लिए क्या करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने बच्चों को जवाब देते हुए कहा कि इस दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है, जो किया नहीं जा सकता। दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है। बस अपना सारा ध्यान उस काम की तरफ लगाओ, जिसे तुम्हें करना है या जिसे तुम कर रहे हो। उन्होंने आगे बताया कि अगर निशाना लगाते वक्त तुम्हारा सारा ध्यान अंडे के छिलके पर होता, तो तुम निशाना ठीक तरीके से लगा पाते।

कहानी से सीख- लक्ष्य को पूरा करने की चाहत रखने वाले को हमेशा पूरा ध्यान उस लक्ष्य पर ही रखना चाहिए। ऐसा करने से लक्ष्य चूकता नहीं है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन
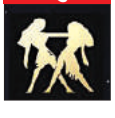
व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

सिंह
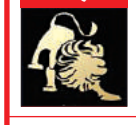
तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु
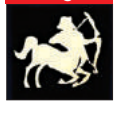
किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन
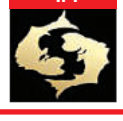
किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बेटी नव्या को बॉलीवुड में नहीं भेजना चाहती हैं श्वेता

अमिताभ बच्चन के परिवार से ज्यादातर लोग एक्टिंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं। हाल ही में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बिग बी के नाती अगस्त्य नंदा ने डेब्यू किया था। अब खबर आ रही है कि नव्या नंदा भी फिल्मी पर्दे का हिस्सा बनने वाली हैं। इस खबर पर श्वेता नंदा ने भी अपनी रिएक्शन दिया है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान श्वेता बच्चन से नव्या को लेकर सवाल किया गया था। इस पर मां श्वेता नंदा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आप नव्या के काम से अच्छी तरह वाकिफ हैं और उसके पास बहुत काम है'। इसके अलावा श्वेता ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि बॉलीवुड उनकी बेटी के लिए है। बता दें कि नव्या नंदा ने 26 साल की उम्र से ही काम की शुरुआत कर दी थी। उन्होंने एक एनजीओ से अपने काम की शुरुआत की थी। श्वेता नंदा ने इससे पहले भी कहा था कि वह नहीं चाहतीं कि उनकी बेटी को बॉलीवुड में उनके काम के लिए ट्रोलिंग और अनावश्यक नफरत का सामना करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया था कि वह नव्या को कभी भी फिल्मों का हिस्सा नहीं बनने देंगी। नव्या नंदा से पूछा गया कि क्या उनकी कोई आने वाली फिल्म है। इस पर नव्या ने खुलासा किया कि वह एक्टिंग में अच्छी नहीं हैं और वो सिर्फ काम करने में यकीन रखती हैं। नव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं एक्टिंग में बहुत अच्छी नहीं हूं। मेरा मानना है कि आपको काम करने के लिए सिर्फ कुछ नहीं करना चाहिए, बल्कि आपको वह तभी करना चाहिए जब आप उसके प्रति 100 प्रतिशत जुनून से करना चाहें। मुझे लगता है कि मैं वही कर रही हूं जो मुझे पसंद है'।

पति निखिल की याद में तड़प रहीं दलजीत कौर

रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 13 फेम दलजीत कौर इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर खबरों में चल रही हैं। ऐसी खबरें हैं कि एक्ट्रेस की दूसरी शादी भी टूट गई है। शादी के करीब 1 साल बाद ही दलजीत ने अपने इंस्टा हैंडल से निखिल पटेल का सरनेम हटाकर शादी की तस्वीरें भी हटा दी थी।

इतना ही नहीं दलजीत केन्या से भारत लौट आई हैं और कहा जा रहा है कि वह निखिल से अलग हो गई हैं। इसी बीच दलजीत ने अपने पति निखिल पटेल पर कई आरोप लगाए हैं।

दलजीत कौर ने निखिल पटेल पर चीटिंग के भी कई इल्जाम लगाए। इसके बाद एक्ट्रेस के पति ने भी सामने आकर कई खुलासे किए। उन्होंने कहा था कि, इस साल जनवरी में दलजीत ने अपने बेटे जेडन के साथ केन्या छोड़कर इंडिया वापस जाने का फैसला किया, जिसकी वजह से हम अलग हो गए। हम दोनों को एहसास हुआ कि हमारे परिवार की नींव उतनी मजबूत नहीं थी। हमारे दोनों के कल्चर को लेकर भी काफी चीजें मुश्किल हो रही थी।

शादी को लेकर फैंस भी कन्फ्यूज है कि आखिर अपने रिश्ते को लेकर दोनों के मन में क्या चल रहा है। अब इसी बीच दलजीत कौर ने एक वीडियो शेयर किया है जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने अपनी हल्दी, मेहंदी से लेकर शादी के हर एक फंक्शन का वो मोमेंट शेयर किया, जिसमें निखिल और दलजीत काफी खुश नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं दलजीत कौर ने इंस्टा पर स्टोरी लगाई जिसमें एक्ट्रेस गले में मंगलसूत्र पहने हुए नजर आ रही है। हालांकि इस फोटो में एक्ट्रेस आंख बंद किए हुए नजर आ रही है। इस फोटो और वीडियो को देखकर फैंस ऐसा अंदाजा लगा रहे हैं कि दलजीत कौर पति निखिल पटेल की याद में तड़प रही हैं। एक्ट्रेस अपने हर एक शादी के मोमेंट को शेयर कर दुखी हो रही हैं और बता रही है कि ये सब 1 साल तीन महीने पहले हुआ था।

बता दें कि बिग बॉस 13 फेम दलजीत कौर ने पिछले साल मार्च में मुंबई में केन्या स्थित बिजनेसमैन निखिल पटेल से शादी की थी। बेटे जेडन के साथ शादी के बाद एक्ट्रेस केन्या चली गई। हालांकि, शादी के एक साल के अंदर ही दलजीत और निखिल के रिश्ते में मुश्किलें आने लगीं।

मिस्टर एंड मिसेज माही ने पहले दिन की बंपर कमाई

राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। लोग इस मूवी पर भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं। क्रिटिक्स से भी फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार शुरुआत की है। इसके साथ ही राजकुमार राव ने अपनी ही फिल्म 'श्रीकांत' के ओपनिंग डे कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। चलिए आपको बताते हैं कि राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' ने पहले दिन कितना बिजनेस किया है। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' एक फैमिली ड्रॉमा फिल्म है, जिसमें राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की केमिस्ट्री छा गई है। दोनों सितारों ने अपनी एक्टिंग से ऑडियंस के दिलों को जीत लिया है और इसका पता फर्स्ट डे कलेक्शन से साफ पता चल रहा है। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर ऊंची उड़ान भरी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' ने पहले दिन देशभर में 7 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। हालांकि, ये अर्ली एस्टीमेट है। ऑफिशियल डेटा आने के बाद फिल्म के कलेक्शन में थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है।

टूट गया 'श्रीकांत' के पहले दिन के कलेक्शन का रिकॉर्ड

इसके साथ ही 'मिस्टर एंड मिसेज माही' ने पहले दिन ही राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया है। 'श्रीकांत' ने ओपनिंग डे पर देशभर में 2.25 करोड़ की कमाई की थी।

अजब-गजब | 21वीं सदी में भी लोग कर रहे टोटकों पर भरोसा

ये हैं दुनिया के सबसे अजीबोगरीब अंधविश्वास

अंधविश्वास अलौकिक में एक तर्कहीन विश्वास है। इसके बारे में माना जाता है कि यह या तो अच्छी या बुरी किस्मत का कारण बनता है। जब से मानव जाति का है, तब से अंधविश्वास हर तरफ है। वे हर संस्कृति में अलग-अलग हैं, और उन्होंने इनमें से हर एक संस्कृति और समाज में एक बड़ी भूमिका निभाई है। दुनिया के कुछ अंधविश्वास बहुत ही अजीब हैं। जिन के बारे में जानकर हैरानी होती है

जापान एक अजूबों का देश है। यहां के रीति रिवाज तक पूरी दुनिया से बहुत अलग होते हैं। यहां यह माना जाता है कि अगर आप कभी कब्रिस्तान से गुजरते हैं, अपने अंगूठे को अपने हाथ में दबा लेना चाहिए। लेकिन हैरानी की बात यह है ये आप अपनी नहीं अपने माता-पिता को मरने से बचाने के लिए ऐसा करते हैं। जापानी में अंगूठे का मतलब है माता-पिता की उंगली, इसलिए अपने हाथ में अंगूठा दबाकर, आप अपने माता-पिता को मौत से बचा रहे हैं। स्पेन का यह अंधविश्वास आपके गले नहीं उतरेगा। यहां नए साल की पूर्व संध्या पर ठीक आधी रात को बारह अंगूर खाना एक परंपरा और अंधविश्वास दोनों माना जाता है। जिसकी शुरुआत 1895 से हुई है। बारह अंगूर 12 महीनों के सौभाग्य के प्रतीक हैं। माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति बारह घंटियों में से प्रत्येक के लिए एक अंगूर खाता है,

तो उसका साल भाग्यशाली और समृद्धि देने वाला होगा। इस आपको बिलकुल भी यकीन नहीं होगा! तीन सिगरेट जलाना, जिसे माचिस की तीसरी बत्ती या अशुभ तीसरी बत्ती भी कहा जाता है, अपशकुन माना जाता है। इसकी शुरुआत प्रथम विश्वयुद्ध से हुई थी। सैनिकों का मानना था कि अगर उनमें से तीन एक ही माचिस की तीली पर अपनी सिगरेट जलाते हैं, तो उनमें से एक की मौत हो जाएगी या माचिस की तीली पर तीसरा व्यक्ति गोली लगने से मर जाएगा। उनका मानना था कि माचिस की तीली जलने से दुश्मन के स्नाइपर को उनके स्थान का पता चल जाएगा। दुनिया भर में कुछ जगहों पर घर के अंदर छाता खोलना बहुत ही अपशकुन माना जाता है। इस अंधविश्वास की शुरुआत प्राचीन मिस्रवासियों से हुई थी। उस समय, छतरी का इस्तेमाल ऊंचे पद के लोगों को धूप से बचाने के लिए किया जाता था, न कि बारिश से। घर के अंदर छाता खोलने से सूर्य देवता नाराज हो जाते थे और उन्हें सजा देते थे। यह भी माना जाता है कि अगर मौसम बताता है कि किसी खास दिन बारिश होगी और आप अपना छाता अपने साथ ले गए, तो बारिश नहीं होगी। लेकिन अगर आप अपना छाता घर पर ही छोड़ देते हैं, तो वाकई बारिश होगी। काली बिल्लियों का अंधविश्वास से बहुत सी संस्कृतियों में गहरा नाता है। काली बिल्लियां लंबे समय से अपशकुन और डर का संकेत मानी जाती हैं। मध्य युग में, एक काली बिल्ली मृत्यु के आने का संकेत होती थीं। आज भी बिल्लियों का दिखना या रास्ता काटना किसी बुरे के होने का संकेत माना जाता है। उन्हें जादू टोने से जोड़कर भी देखा जाता है। कोरिया में परीक्षा से एक दिन पहले या उससे पहले रात को समुद्री काई का सूप पीना अपशकुन माना जाता है। उनका मानना है कि सूप पीने से जानकारी आपके दिमाग से निकल जाएगी। इसके बजाय, आपको टॉफी या चिपचिपी कैंडी जैसे चिपचिपे खाद्य पदार्थ खाने चाहिए। यह एक शुभ शगुन माना जाता है।

रानी विक्टोरिया के तीसरे बेटे प्रिंस आर्थर के नाम पर पड़ा है कनॉट प्लेस का नाम

दिल्ली को भारत का दिल कहते हैं, पर दिल्ली का भी एक दिल है। ये वो जगह है जहां आपको अमीर-गरीब और बच्चे-बूढ़े दिख जाएंगे। यहां आपको कहीं कोई अंडरग्राउंड मार्केट में शॉपिंग करता दिख जाएगा तो कोई पार्क में बैठे नजर आ जाएगा। कोई इस इलाके में अपने दोस्तों के साथ सिर्फ टहलने-घूमने आ जाएगा तो कोई यहां के फेमस रेस्टोरेंट्स का लुत्फ उठाने। हम बात कर रहे हैं दिल्ली के कनॉट प्लेस की। अपने खूबसूरत आर्किटेक्चर के लिए फेमस इस इलाके का इतिहास काफी पुराना और रोचक है। आज हम आपको कनॉट प्लेस के इतिहास के बारे में बताएंगे, और साथ ही ये भी बताएंगे कि आखिर इस जगह का नाम कनॉट प्लेस कैसे पड़ा। मीडियम वेबसाइट के अनुसार भारत की जानी-मानी इतिहासकार स्वपना लिडल की एक किताब है, 'कनॉट प्लेस एंड द मेकिंग ऑफ न्यू डेल्ही'। इस किताब में उन्होंने विस्तार से मॉडर्न दिल्ली और कनॉट प्लेस के बनने की कहानी का जिक्र किया है। स्वपना के मुताबिक कनॉट प्लेस का नाम इंग्लैंड के प्रिंस आर्थर के नाम पर रखा गया, जिन्हें ड्यूक ऑफ कनॉट भी कहा जाता था। प्रिंस आर्थर, रानी विक्टोरिया के तीसरे बेटे थे। रॉयल कलेक्शन ट्रस्ट के अनुसार प्रिंस आर्थर, 1921 में कोलकाता भी आए थे। कनॉट प्लेस को 1929 से 1933 के बीच बनाया गया। इसे बनाने में 4 साल का वक्त लगा। कनॉट प्लेस को आर्किटेक्ट रॉबर्ट टॉर रसेल डिजाइन कर रहे थे। डिजाइन को इंग्लैंड के बाथ में मौजूद रॉयल क्रिसेंट के डिजाइन जैसा बनाया जा रहा था। इस इलाके को दिल्ली में रहने वाले अंग्रेजों के लिए एक पॉश इलाके के तौर पर तैयार किया जा रहा था जिसका डिजाइन आर्किटेक्ट एडविन लुटियन तैयार कर रहे थे। आज उन्हीं इलाकों को लुटियन्स दिल्ली के नाम से भी जाना जाता है। आज कनॉट प्लेस दिल्ली का बहुत बड़ा कमर्शियल हब बन चुका है। यहां बड़े-बड़े ब्रांड्स की दुकानें, बड़े रेस्टोरेंट्स आदि मौजूद हैं। इलाके को अलग-अलग सर्किल में डिजाइन किया गया है। इनर सर्किल के बीच में सेंट्रल पार्क है, जिसके नीचे पालिका बाजार है। इसे भारत की पहली वातानकूलित भूमिगत मार्केट माना जाता है। आज भी यहां कई ऐसी दुकानें मौजूद हैं, जो आजादी से पहले की हैं और इन दुकानों का संचालन चौथी-पांचवीं पीढ़ी के लोग कर रहे हैं।

इंतजार करिये, नतीजे एग्जिट पोल के बिल्कुल उलट होंगे : सोनिया गांधी

इंडिया गठबंधन का दावा- जनता के एग्जिट पोल में विपक्ष को हासिल हुईं 295 सीटें

» मोदी का फैंटेसी पोल : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर आए एग्जिट पोल के नतीजों पर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोमवार (3 जून, 2024) को कहा कि इंतजार करना होगा। कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने कहा कि हमें अभी इंतजार करना होगा। हमें पूरी उम्मीद है कि नतीजे एग्जिट पोल के बिल्कुल उलट रहने वाला है। दरअसल, विपक्षी गठबंधन इंडिया दावा कर रहा है कि उसे जनता के एग्जिट पोल में 295 सीटें हासिल हुई है। हाल ही में गठबंधन इंडिया की बैठक के बाद भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ये बात दोहराई थी।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने आवास पर करीब ढाई घंटे तक इंडिया गठबंधन की बैठक कहा था कि गठबंधन को 295 सीटें कम से कम या फिर इससे अधिक मिलेगी। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एग्जिट पोल पीएम नरेंद्र मोदी का फैंटेसी पोल करार दिया है। उन्होंने सिंगर सिद्धू मूसेवाला के गाने का जिक्र करते हुए कहा कि गठबंधन को 295 सीटें मिलने जा रही है। ज्यादतर एग्जिट पोल में दावा किया गया है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को फिर से सत्ता मिल सकती है। इसे विपक्षी गठबंधन इंडिया नकार रहा है। देश भर में लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले शनिवार (1 जून) को एग्जिट पोल के नतीजे घोषित कर दिए गए। ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए की जीत की ओर इशारा किया गया है। चुनाव आयोग की ओर से 4 जून को नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

एग्जिट पोल पहले भी हुए हैं फेल : ममता

लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल आ गए हैं। लगभग सभी एग्जिट पोल में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की संभावना जताई गई है। ऐसे में इन एग्जिट पोल पर अब ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया आई है। ममता बनर्जी ने रविवार को कहा, एग्जिट पोल प्रेडिक्शन का जमीन से कोई लेना देना नहीं है, इन्हें दो महीने पहले घर में बैठकर तैयार किया गया है। ममता बनर्जी ने कहा, बीजेपी ने जिस तरह से तुष्टीकरण किया और गलत जानकारी फैलाई कि मुस्लिम एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि मुस्लिमों ने बीजेपी को वोट किया। मुझे लगता है कि सीपीआई (एम) और कांग्रेस ने बंगाल में बीजेपी की मदद की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि एग्जिट पोल की कोई वैल्यू नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने एग्जिट पोल दिखाने पर मीडिया की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, हम देख चुके हैं कि 2016, 2019 और 2021 में किस तरह से एग्जिट पोल कराए गए थे। उनमें से एक भी सही साबित नहीं हुए थे। ममता ने कहा, ये एग्जिट पोल मीडिया के लिए 2 महीने पहले कुछ लोगों ने घर में बैठकर तैयार किया है। सीएम बनर्जी ने कहा कि उनकी रैलियों में आने वाले लोगों की प्रतिक्रिया एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों से मैच नहीं खाते।

फर्जी एग्जिट पोल क्यों करना पड़ा : केजरीवाल

एग्जिट पोल के नतीजों पर अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तिहाड़ जेल में सरेंडर करने से पहले उन्होंने कहा, 2024 लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल कल सामने आ गए हैं। ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं। एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में बीजेपी को 33 सीटें दी थीं जबकि वहां केवल 25 सीटें हैं। एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा, इन्होंने इतनी सीटें इसलिए दिखाई क्योंकि शेयर मार्केट में इनके लोगों ने इन्वेस्ट किया हुआ है और कल जब शेयर मार्केट खुलेगा तो बंपर होगा और ये शेयर बेचकर निकल लेंगे। उन्होंने आगे कहा, असली मुद्दा यह है कि उन्हें मतगणना के दिन से 3 दिन पहले फर्जी एग्जिट पोल क्यों करना पड़ा। इसके बारे में कई सिद्धांत हैं, उनमें से एक यह है कि वे मशीनों (ईवीएम) में हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे ये भी कहा कि मैंने 21 दिन खूब प्रचार किया, मेरे लिए पार्टी अहम नहीं है बल्कि देश को बचाना अहम है। बता दें दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल 2 जून को तिहाड़ जेल में सरेंडर करने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने राजघाट पर जाकर राष्ट्रपति महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी के कई नेता और मंत्री मौजूद थे। घर से निकलने से पहले उन्होंने माता-पिता का भी आशीर्वाद लिया।

उत्तर प्रदेश में 70 से अधिक सीटें जीतेगी भाजपा : धर्मपाल सिंह

» बोले- मोदी और योगी के कार्यों पर लड़ा गया चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने दावा किया कि भाजपा ने मोदी और योगी के कार्यों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा है। प्रदेश में भाजपा 70 से अधिक लोकसभा की सीटें जीतेगी। ठाकुरद्वारा में पूर्व सांसद स्व. कुंवर सर्वेश कुमार को श्रद्धांजलि देने के बाद दिल्ली रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में आए प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने विकास के साथ कानून व्यवस्था का एक बेहतरीन नमूना पेश किया।

केंद्र में मोदी सरकार की योजनाओं से अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब और किसानों को लाभ पहुंचा है। इसी प्रकार स्टार्टअप और मुद्रा योजना से युवाओं को लाभ मिला है।

आज युवा नई-नई खोज कर रहे हैं। इसी का परिणाम रहा कि भाजपा को पूरे देश में सफलता मिल रही है। मोदी और योगी की जोड़ी के कारण भाजपा प्रदेश में 70 से अधिक सीटें जीत रही है। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश दुग्ध उत्पादन में नंबर एक बना है। विश्व दुग्ध दिवस पर गोपालक और डेयरी संचालन में लोग बधाई के पात्र हैं।

यूपी व हरियाणा पानी पर न करें राजनीति

» दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दोनों राज्यों के सीएम को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बिजली-पानी की मांग बढ़ने पर राजनीतिक घमासान बढ़ता जा रहा है। जल संकट को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को चिट्ठी लिखी। इतना ही नहीं मंत्री आतिशी ने केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग कर चुकी हैं।

दिल्ली में पानी की आपूर्ति में कमी के बीच जल मंत्री आतिशी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मानसून आने तक एक महीने के लिए दिल्ली को अतिरिक्त पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। ताकि दिल्ली की जनता को पानी की कमी न हो। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कम से कम एक महीने के लिए यमुना नदी में अतिरिक्त पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में अप्रत्याशित गर्मी और पानी की कमी से लोग परेशान हैं। ऐसे समय में भाजपा राजनीति न करे। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। ऐसे में भाजपा राजनीति करने की जगह दोनों राज्यों से दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने की अपील करे। जब तक मानसून नहीं आ जाता, अतिरिक्त पानी मुहैया करवाया जाए।

दिल्ली में जल संकट पैदा कर झूठी राजनीति कर रही आप : भाजपा

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व जल मंत्री आतिशी को घेरा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और आतिशी दिल्ली में जल संकट पैदा कर झूठी राजनीति कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि जनता ने उनका झूठ पकड़ लिया है। हरियाणा सरकार से यमुना में पानी की कम सप्लाई करने का झूठा आरोप लगाकर वे अपने ही जाल में फंस गए हैं। आतिशी तुरंत हरियाणा सरकार से माफी मांगें। राजधानी में पानी को लेकर दिल्ली सरकार और हरियाणा सरकार के बीच सियासत गरमा गई है। जल मंत्री आतिशी का आरोप है कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी में कटौती कर रही है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने पानी के हक के लिए अब सुप्रीम कोर्ट जाने का निर्णय लिया है। बीते बृहस्पतिवार को आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। इससे दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है।

अमेरिका और वेस्टइंडीज ने दिखाया दम

» टी-20 विश्वकप की शानदार शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुयाना। टी20 विश्व कप 2024 के तहत ग्रुप सी का पहले दिन का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज और पीएनजी के बीच खेला गया। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पीएनजी ने सेसे बाऊ की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 19 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 137 रन बनाए। रोवमैन पॉवेल की टीम ने यह मुकाबला छह गेंदों के शेष रहते हुए पांच विकेट से मैच जीत लिया।

इससे पहले अमेरिका ने कनाडा को हराकर अपने पहले विश्वकप मैच में जीत के साथा आगाज किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत झटके के साथ हुई। एली नाओ ने जॉनसन कार्ल्स को अपना शिकार बनाया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा निकोलस पूरन ने संभाला। उन्होंने सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी निभाई। जॉन करिको ने विकेटकीपर बल्लेबाज पूरन को नौवें ओवर की पहली गेंद पर आउट किया। वह एक चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन बनाने में कामयाब हुए।

विसी ने नामीबिया को सुपर ओवर में दिलाई जीत

नामीबिया के अनुभवी ऑलराउंडर डेविड विसी ने ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप-बी मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया और टीम को सुपर ओवर में जीत दिलाई। ओमान ने 109 रन बनाए थे, लेकिन नामीबिया की टीम 20 ओवर बाद छह विकेट पर 109 रन ही बना सकी और मैच टाई रहा। इसके बाद मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये किया गया जहां डेविड विसी ने कप्तान गेरहार्ड एरासमस के साथ मिलकर तूफानी बल्लेबाजी की और जीत दर्ज की। 39 साल के विसी ने सुपर ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जिससे नामीबिया ने ओमान के सामने जीत के लिए 22 रनों का लक्ष्य रखा। इसके बाद विसी गेंदबाजी भी करने आए और उन पर लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने की जिम्मेदारी थी जिसे उन्होंने बखूबी निभाया और नामीबिया की जीत से शुरुआत कराई। इससे पहले, नामीबिया और ओमान के बीच मुकाबला 20 ओवर के बाद टाई रहा था जिसके बाद नतीजे का निर्णय सुपर ओवर के जरिए हुआ।

उत्तर भारत में अभी लू से राहत नहीं, बिजली ने भी बढ़ाई मुश्किल

» केंद्र ने बैठक कर गर्मी की स्थिति और मानसून से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा समेत उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के 12 राज्यों में लू की स्थिति जारी रहने की संभावना है। अगले तीन दिनों के दौरान गर्मी की प्रचंडता से राहत

नहीं मिलेगी। उसके बाद धीरे-धीरे कुछ कमी आएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू संभाग, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में कुछ जगहों पर सोमवार को भी लू चल सकती है।

बीते 24 घंटे के दौरान भी इन राज्यों के साथ ही झारखंड में भी प्रचंड गर्मी महसूस की गई। अगले तीन दिन के दौरान उत्तर भारत में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक की वृद्धि भी हो सकती है। इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने उच्चस्तरीय बैठक में गर्मी की स्थिति और मानसून से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों का अग्नि ऑडिट और विद्युत सुरक्षा ऑडिट नियमित रूप से करते रहने का निर्देश दिया। बैठक में पीएम को बताया गया इस साल देश के अधिकतर भागों में मानसून के सामान्य और सामान्य से ऊपर रहने का अनुमान है।

केरल के एर्नाकुलम में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

उत्तर भारत गर्मी की चपेट में है तो दक्षिण भारत राज्य केरल में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने राज्य के एर्नाकुलम जिले में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही 11-20 सेंटीमीटर के बीच बारिश होने की संभावना जताई है।

पूर्वोत्तर के दो राज्यों में नई सरकारों के गठन की सरगर्मियां हुईं तेज

» सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग को एसकेएम विधायक दल का नेता चुना गया

» अरुणाचल प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गंगटोक। प्रेम सिंह तमांग को सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) विधायक दल का नेता चुन लिया गया है जिससे उनके सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर रविवार रात हुई विधायक दल की बैठक में पार्टी के सभी 31 नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित थे।

एसकेएम के एक बयान के अनुसार, बैठक में पार्टी महासचिव अरुण उप्रेती ने विधायक दल के नेता के तौर पर तमांग के नाम का प्रस्ताव रखा और सांघा से विधायक सोनम लामा ने इसका अनुमोदन किया। इसके बाद तमांग को निर्विरोध विधायक दल का नेता चुन लिया गया। बयान के अनुसार, पार्टी नेताओं ने तमांग को नेता चुने जाने पर बधाई दी और उनके नेतृत्व में समर्पण के साथ काम करने का संकल्प जताया। रविवार को हुई मतगणना में एसकेएम ने विधानसभा चुनाव में राज्य की 32 में से 31 सीट पर जीत हासिल की है। विपक्षी एसडीएफ पार्टी को एक ही सीट से संतोष करना पड़ा।

अरुणाचल में कांग्रेस को मिली केवल एक सीट, कहा- जनादेश है स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट जीतने में सफल रही कांग्रेस ने रविवार को कहा कि उसे जनादेश स्वीकार है। राज्य में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आज घोषित किए गए। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष नबाम तुकी ने कहा कि पार्टी चुनाव परिणामों से 'निराश है लेकिन हतोत्साहित नहीं' है। कांग्रेस ने 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 19 उम्मीदवार उतारे थे और उसे केवल पूर्वी कामेंग जिले में बामेंग सीट पर जीत हासिल हुई। तुकी ने एक बयान में कहा कि पार्टी जिम्मेदारी की भावना के साथ लोगों के जनादेश को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करती है। उन्होंने मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अरुणाचल प्रदेश के लोगों का आभार व्यक्त किया। तुकी ने कहा, 'पार्टी चुनाव हारी है लेकिन हिम्मत नहीं। कांग्रेस कड़ी मेहनत करेगी और लोगों के अधिकारों के साथ-साथ देश के आदर्शों के लिए भी जिम्मेदारी के साथ लड़ती रहेगी।' एपीसीसी अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने 'जमीन पर ईमानदारी और समर्पण के साथ अथक परिश्रम किया और चुनाव प्रक्रिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया'।

के. कविता की बढ़ी न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक रहना होगा जेल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता की न्यायिक हिरासत पर सुनवाई हुई। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने के कविता की न्यायिक हिरासत को तीन जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। बीआरएस एमएलसी और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने हैदराबाद स्थित परिसरों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था।

के. कविता की गिरफ्तारी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में हुई। ईडी ने दावा किया था कि के कविता दिल्ली आबकारी घोटाले में कारोबारियों की साउथ लॉबी से जुड़ी हुईं थी। के कविता की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के प्रवक्ता ने कहा था कि के कविता की गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित है। दावा किया कि भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे से मिले हुए हैं।

ईडी ने के कविता को हैदराबाद स्थित बंजारा हिल्स के घर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ईडी दिल्ली लेकर आई और राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था। कविता और अन्य के खिलाफ मामला 2022 में शुरू हुआ जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि थोक और खुदरा शराब व्यापार के एकाधिकार और कार्टेलाइजेशन की सुविधा के लिए 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में हेरफेर किया गया था।

दिल्ली शराब घोटाले में हुई थी कार्रवाई

मामला भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। विशेष रूप से, यह आरोप लगाया गया कि इस प्रक्रिया में दक्षिण भारत के कुछ व्यक्तियों को लाभ पहुँचाया गया और उनके लाभ की कुछ राशि आम आदमी पार्टी (आप) को दी गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की अलग से जांच कर रहा है।

करुणानिधि की जयंती पर उन्हें याद किया, सभी नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को अपने पिता और दिवंगत पार्टी नेता एम. करुणानिधि की जयंती पर सोमवार को उनके स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्टालिन ने मरीना समुद्र तट पर स्थित करुणानिधि (1924-2018) के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और बाद में उनके जन्म शताब्दी समारोह के समापन को चिह्नित करते हुए एक स्मारिका का अनावरण किया। द्रमुक अध्यक्ष ने करुणानिधि के आवास गोपालपुरम और पार्टी के आधिकारिक समाचार पत्र 'मुरासोली' के कार्यालय में दिवंगत नेता की तस्वीरों पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। स्टालिन ने अपने संदेश में स्टालिन की प्रशंसा की और उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने की पार्टी की प्रतिबद्धता दोहरायी।

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महंगा हुआ दूध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के खत्म होते ही देश की दो सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। पहले अमूल ने दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। इसके 12 घंटे बाद ही मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर बाजार में दूध की कीमतों बढ़ोतरी का एलान कर दिया है।

» अमूल के बाद मदर डेयरी ने दो रुपये/लीटर बढ़ाए दाम

कंपनी ने दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसका कारण पिछले 15 महीनों में लागत में वृद्धि बताया गया है। सभी प्रकार के दूध की कीमतों में वृद्धि सोमवार यानी तीन जून से दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ-साथ अन्य बाजारों में भी लागू हो गई है। कंपनी ने आखिरी बार फरवरी 2023 में अपने तरल दूध की कीमतों में बदलाव किया था।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर भीषण हादसा, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

» मृतकों में पिता और दो बच्चे शामिल, पत्नी की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा में दिल्ली हाईवे पर सुबह-सुबह भीषण हादसे में पिता के साथ बेटा और बेटी की जान चली गई, जबकि पत्नी और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सिकंदरा के आगरा दिल्ली हाईवे अरसेना कट पर ट्रैक्टर से ऑटो की भिड़ंत हो गई।

हादसे में ऑटो पूरी तरह छतिग्रस्त हो गया। पिता सहित एक बेटा और बेटी की मौके पर मौत हो गई। वहीं पत्नी और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। इसके साथ ही मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बताया गया है कि दिल्ली निवासी निलेश कुमार पाल निवासी लक्ष्मी पार्क दिल्ली अपने परिवार के साथ अपनी ससुराल मैनपुरी जा रहा था। सुबह करीब 4:30 बजे हाईवे पर अरसेना के समीप ट्रैक्टर कट से टर्न हो रहा था, तभी सामने से आकर ऑटो ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गया। हादसे के बाद हाईवे पर चीख पुकार मच गई। राहगीर और पुलिस की मदद से घायलों को उपचार के लिए भेजा गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।